सूचनाओं के पहुँच पर सर्वेक्षण [इन्फारमेशन एक्सेस सर्वे (आई.ए.एस)]

सूचनाओं के पहुँच पर सर्वेक्षण क्या है?

सूचनाओं के पहुँच पर सर्वेक्षण एक विधि है जो :

- मनुष्य के मुख्य मुद्दों तथा आवश्यक जानकारियों को चिन्हित करती है।
- कौन से प्रचार माध्यम मौजूद है तथा सूचनाओं को प्राप्त करने के लिए लोग किस पद्धति का प्रयोग करते हैं उसकी पहचान करना एवं इन पद्धतियों का मूल्यांकन करना।
- जो ग्रामीण समुदाय अपने जीविका के सुधार में जलीय साधन का प्रयोग करते हैं उनके लिए उपयोगी संचार माध्यम की परामर्श दी जाती है।

यह किस लिए है? इसे आप कैसे प्रयोग करते हैं?

आई.ए.एस. यह वर्णन करता है कि मनुष्य अपने जरूरतों की जानकारी कैसे प्राप्त करते हैं। यह हमें यह भी बतलाता है कि किस प्रकार हम भागीदारों के साथ अच्छा संप्रेषण कर सकते हैं। हम आई.ए.एस. का आयोजन कर क्या प्राप्त कर सकते हैं, इसके कुछ उदहारण यहाँ दिये गए हैं:

रंग, लिपि और बोली, साधारण भाषा, चित्र एवं सकारत्मकता के प्रति ध्यानाकर्षण एक महत्वपूर्ण कारक है।

रेडियो एक लोकप्रिय माध्यम है तथा फिलीपिन्स के तटीय समुदायों में यह काफी प्रचलित है।

ग्रामीण समुदाय के लोग सूचना के परंपरागत स्रोत पर अधिक निर्भर करते हैं, जैसे- गाँव के मुखिया, समूह के नेता, पुरोहित एवं गाँव के व्यस्क।

वियतनाम में जन संबोधन प्रणाली के अंतर्गत रेडियो प्रसारण तथा समाचार को माईक के द्वारा लोगों को सुनाया जाता है, यह लगभग ५००० दूरवर्ती एवं पृथक समुदायों को निःशुल्क प्रदान किया जाता है।

कम्बोडिया में नाटक एवं हास्यनाटक मनोरंजन का एक लोगप्रिय माध्यम है। अधिकांश लोगों का मानना है कि दूरदर्शन एवं रेडियो में प्रसारित नाटक, कठपुतली नाच और धारावाहिक में सूचना प्रसारण की प्रगाढ़ क्षमता है।

वियतनाम के लोग पढ़ना अधिक पसंद करते हैं

फिलिपिनो कॉमिक्स जिसमें रंगीन तथा कार्टून चित्रों के साथ सहज प्रेम कथा रहती है, काफी लोकप्रिय है।

सूचनाओं के पहुँच पर सर्वेक्षणः शुरूआत

आप इस विधि को भिन्न संदर्भों में प्रयोग कर सकते हैं। विकास कार्य के संदर्भ में, आई.ए.एस. का प्रयोग गरीब ग्रामीण समुदायों के लोगों की जरूरत की सूचना को ढ़ूढ़ निकालने में की जा सकती है।

आई.ए.एस. किसी भी परियोजना या हस्तक्षेप की योजना अवस्था का महत्वपूर्ण अंश है।

आई.ए.एस. को ऐसा होना चाहिए:

- निर्धारित दल की जरूरतों पर विचार करना
- अधिक से अधिक लोगों को शामिल करना
- सामाजिक तथा सांस्कृतिक रूप से ग्रह्य होना चाहिए
- लचीला होना चाहिए ताकि परिस्थिति के अनुसार हम उसमें सुधार कर सकें
- ऐसा सुझाव होना चाहिए जो कार्य में आसानी से व्यवहार किया जा सके

जब आप आई.ए.एस. आयोजित करेंगे, आपको एक दल तथा योजना के अनुसार काम करना होगा।

निम्न प्रश्न पूछ कर शुरू करें :

हम यह क्यों कर रहें हैं और हमें यह सूचना किस लिए चाहिए?

हमें अपने जरूरतों की सूचना कैसे प्राप्त होगी? हम किस विधि का प्रयोग करेंगे?

हम किसके साथ काम करेंग? हम जो हासिल करना चाहते हैं उसके बारे में उनसे कैसे बात करेंगे?

कौन क्या करेगा और कब करेगा?

हम लोगों को कैसे बताएँगे कि हमने क्या खोज निकाला है?

आगे के कामों में हम कैसे उन्नति करेंगे?

जिन्होनें हमारी सहायता की हम उनसे कैसे परामर्श करेंगे और उन्हें अपना सुझाव देंगे?

हमारे पास कितना समय है? यह कितने समय तक चलेगा?

सूचनाओं के पहुँच पर सर्वेक्षण तैयार करने की एक प्रक्रिया

अगर मुझे आई.ए.एस. तैयार करना है तो कौन-कौन सा कदम उठाना होगा?

यहाँ से शुरू करें

पहला कदम

कौन से भौगोलिक क्षेत्र में आई.ए.एस. काम करेगा?

- यहाँ की जनसंख्या कितनी है?
- यहाँ साक्षरता दर कितना है?
- यहाँ की भाषा, बोली, जाति, शहरी एवं ग्रमीण समुदाय, पुरूष एवं महिलाओं, आदि के बारे में क्या जानते हैं?

दूसरा कदम

मौजूदा संचार माध्यम के बारे में पता लगाना

- वहाँ कौन सा माध्यम है (औपचारिक या अनौपचारिक)
- घरेलु रेडियो एवं दूरदर्शन का मालिकाना व्यवहार कैसा है (समुदाय के साथ अथवा मित्रों या परिवार के साथ मिलकर व्यवहार करते हैं)?
- किस क्षेत्र में क्या प्रसारित होता है?
- क्या लोकप्रिय है और किनके बीच लोकप्रिय है?
- कौन-कौन से राष्ट्रीय या स्थानीय समाचार पत्र एवं पत्रिकाएँ वहाँ है? विशिष्ट रूचि के प्रकाशन कौन से हैं?
- अभिनय-कला के विषय में लोगों में कितना आग्रह है? लोग क्या पसंद करते हैं? नुक्कड़ नाटक, कठपुतली-नाच, नृत्य एवं गायन?

तीसरा कदम

पता लगाईए कौन सा काम अच्छा है और क्यों

- संस्थान अब किस प्रकार सूचना देता है?
- इससे क्या संदेश प्राप्त हो रहें हैं? क्या सुधार हो सकता है?
- संगठनों के बीच किस प्रकार का संबंध है (सरकारी, गैरसरकारी, जनसंगठन, समुदाय)?
- किस प्रकार की योजना तथा नीति मौजूद है?
- शोध क्षेत्रों की क्या स्थिति है तथा नई तकनीकी इसके प्रयोगकार्ताओं के पहुँच से कितनी दूर है?

चौथा कदम

पता लगाईए गाँव के लोग किस प्रकार से सूचना प्राप्त करना पसंद करते हैं

- गाँव के लोग किस प्रकार से सूचना प्राप्त करना पसंद करते हैं?
- वे किस स्रोत का प्रयोग करते हैं, करना चाहते हैं अथवा विश्वास रखते हैं?

पॉचवा कदम

जरूरतों को बताईए

- संचार के क्षेत्र में कमियाँ काहाँ है?
- जरूरतें कया है? प्रशिक्षण, माध्यम, बेहतर संपर्क?

मुझे किस विधि का प्रयोग करना चाहिए?

जब हम आई.ए.एस. में विधि की बात करतें हैं तो इसका मतलब है कि जो सूचना आप चाहते हैं उसे प्राप्त करने के लिए आप कौन सी तकनीक का प्रयोग करेंगे। यहाँ कुछ उद्हारण दिए गए है:

प्रश्नावली	सामूहिक चर्चा में ध्यान केन्द्रित	साक्षात्कार	औपचारिक अथवा अनौपचारिक बैठक

सूचनाओं की पहुँचः एक बैठक

संपर्क के लिए महत्वपूर्ण पता

अन्य बेहतर कार्यों के लिए दिशानिर्देश

इस क्रम में और भी 'बेहतर कार्य करने का दिशानिर्देश' है, जैसेः

- एकमत बनाने की प्रक्रिया
- स्वयं सहायक दल

आप इस प्रतिवेदन तथा अन्य 'बेहतर कार्य करने की निर्देशावली' की प्रतिलिपि अपने देश के स्ट्रीम कार्यालय, स्ट्रीम क्षेत्रीय कार्यालय या स्ट्रीम वेवसाइट से प्राप्त कर सकते हैं।

बेहतर कार्य करने की निर्देशावली के बारे में हम आपके विचारों को जानना चाहते हैं, आप अपने विचार अपने देश के स्ट्रीम कार्यालय के केन्द्र प्रबंधक को फोन, ई-मेल अथवा पत्र के माध्यम से भेज सकते हैं।

आपके देश के स्ट्रीम कार्यालय का पता हैः

डयूप्लेक्स सं.- २, टि.एस.होम्स, टकांपानी रोड
भुवनेश्वर- १८
फोनः ०६७४ २३८१८५१
फैक्सः ०६७४ २३८१८५१
ई-मेलः rubumukherjee@rediffmail.com

स्ट्रीम के क्षेत्रीय कार्यालय का पता हैः

c/o नाका
डिपार्टमेंन्ट ऑफ फिसरिज़ कमप्लेक्स
कैसेतसर्त यूनिवर्सीटी कैम्पस
फै हो लाइओ थिन रोड
बैनखेन, बैंगकाक- १०९०३
थाईलैण्ड

स्ट्रीम वेवसाइटः
www.streaminitiative.org